भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2320

13 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

विरासत शहर विकास और संवर्धन योजना

2320. श्री बैजयंत पांडाः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय विरासत शहर विकास और संवर्धन योजना (हृदय) के अंतर्गत देशभर के शहरों में, विशेषकर ओडिशा में शहर-वार हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का उक्त योजना के अंतर्गत उत्तर-पूर्व क्षेत्र और ओडिशा के किन्हीं नए शहरों को शामिल करने का प्रस्ताव है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क): राष्ट्रीय विरासत शहर विकास और संवर्धन योजना (हृदय), 21 जनवरी, 2015 को शुरू की गई एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जिसे 12 शहरों अजमेर (राजस्थान), अमरावती (आंध्र प्रदेश), अमृतसर (पंजाब), बादामी (कर्नाटक), द्वारका (गुजरात), गया (बिहार), कांचीपुरम और वेलंकन्नी (तमिलनाडु), मथुरा और वाराणसी (उत्तर प्रदेश), पुरी (ओडिशा) और वारंगल (तेलंगाना) में कार्यान्वित किया गया है। यह मिशन 31 मार्च, 2019 को समाप्त हो गया है। आज तक, इस योजना के तहत 419.57 करोड़ रुपये की लागत वाली 77 परियोजनाएँ अनुमोदित की गई हैं और 392.71 करोड़ रुपये की लागत वाली 76 परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं। हृदय योजना के तहत पुरी (ओडिशा) में छह परियोजनाएं पूरी की गई थी।

(ख) और (ग): जी नहीं, हृदय योजना 31 मार्च, 2019 को समाप्त हो गई है। हृदय योजना के बंद होने पर, विरासत घटक को पर्यटन मंत्रालय की योजना, तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान (प्रसाद) पर राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत शामिल किया गया है।

*****